मसान होली

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **वाराणसी में दो दविसीय वशिष कार्यक्रम मसान होली** मनायी गई। इस दौरान **भक्त एक-दूसरे पर अंतमि संस्कार की अग्नि की राख और गुलाबी पाउडर (गुलाल) डालते** हैं। इस आयोजन को **मृत्यु का जश्न मनाने** के तौर पर भी देखा जाता है।

मुख्य बदि‍ु

- ऐसा माना जाता है कि वाराणसी में **मसान होली की रस्म होलकिा-प्रहलाद की पौराणिक घटना को चिता की राख के साथ मनाई** जाती है।
- वाराणसी की मसान होली में **चिता की राख का उपयोग जीवन की अल्पता और इस भौतकिवादी वशि्व में व्यक्ति के अस्तत्ति्व की चक्रीय प्रकृति का प्रतीक** है।
- ऐसा माना जाता है कि मसान होली में उपयोग की जाने वाली राख में **शुद्धिकरण** गुण होते हैं जो **शरीर, मन और आत्मा की अशुद्धियों को साफ** करते हैं।
- होली के दौरान एक-दूसरे को राख लगाकर, **लोग आध्यात्मकि कायाकल्प और आंतरकि शुद्धि चाहते हैं।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/masaan-holi-1